

6 दिसंबर को होगी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में एक कार्यशाला

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा 6 दिसंबर 2023 को आयोजित कार्यशाला के दौरान प्रख्यात विशेषज्ञ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर मंथन करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य चीनी और अल्कोहल इकाइयों में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन, निदेशक ने बताया कि स्वच्छ, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा यानी बिजली और कम्प्रेस्ड बायो-मीथेन का उत्पादन करने वाले चीनी उद्योग को भविष्य के लिए ईंधन-हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए संभावित स्रोत के रूप में माना जा रहा है, । विभिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं की प्रस्तुतियों के अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार



और तेल कंपनियों के प्रख्यात विशेषज्ञ भी इस मुद्दे पर व्याख्यान देंगे। कार्यशाला के संयोजक श्री अनूप कनौजिया ने कहा, इस अवसर पर हम कम्प्रेस्ड बायो-मीथेन से हरित हाइड्रोजन के उत्पादन को दिखाने के लिए एक

पायलट संयंत्र का प्रदर्शन भी करने जा रहे हैं जिससे बड़ी संख्या में भाग लेने जा रहे चीनी उद्योग के प्रतिभागियों को हरित हाइड्रोजन की प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी।



हरित हाइड्रोजन के उत्पादन पर आधारित होगी कार्यशाला

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा 6 दिसंबर 2023 को आयोजित होने वाली कार्यशाला के दौरान प्रख्यात विशेषज्ञ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर मंथन करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य चीनी और अल्कोहल इकाइयों में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन, निदेशक ने बताया कि स्वच्छ, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा यानी बिजली और कम्प्रेस्ड बायो-मीन का उत्पादन करने वाले चीनी उद्योग को भविष्य के लिए ईंधन-हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए संभावित स्रोत के रूप में माना जा रहा है, । विभिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं की प्रस्तुतियों के अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार और तेल कंपनियों के प्रख्यात विशेषज्ञ भी



इस मुद्दे पर व्याख्यान देंगे। कार्यशाला के संयोजक श्री अनूप कनौजिया ने कहा, इस अवसर पर हम कम्प्रेस्ड बायो-मीथेन से हरित हाइड्रोजन के उत्पादन को दिखाने के लिए एक पायलट संयंत्र का प्रदर्शन भी करने जा रहे हैं जिससे बड़ी संख्या में भाग लेने जा रहे चीनी उद्योग के प्रतिभागियों को हरित हाइड्रोजन की प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी।

6 दिसंबर को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के विभिन्न पहलू पर होगी कार्यशाला

कानपुर (नगर छाया समाचार)।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा 6 दिसंबर 2023 को आयोजित कार्यशाला के दौरान प्रख्यात विशेषज्ञ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर मंथन करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य चीनी और अल्कोहल इकाइयों में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है।

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन, निदेशक ने बताया किस्वच्छ, हरित और नवीकरणीय ऊर्जा यानी बिजली और कम्प्रेस्ड बायो-मीथेन का उत्पादन करने वाले चीनी उद्योग को भविष्य के लिए ईंधन- हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए संभावित स्रोत के रूप में माना जा रहा है, । विभिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं की प्रस्तुतियों के अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार और तेल कंपनियों के प्रख्यात विशेषज्ञ भी इस मुद्दे पर व्याख्यान देंगे।



कार्यशाला के संयोजक श्री अनूप कनौजिया ने कहा, इस अवसर पर हम कम्प्रेस्ड बायो-मीथेन से हरित हाइड्रोजन के उत्पादन को दिखाने के लिए एक पायलट संयंत्र का प्रदर्शन भी करने जा रहे हैं जिससे बड़ी संख्या में भाग लेने जा रहे चीनी उद्योग के प्रतिभागियों को हरित हाइड्रोजन की प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी।

Experts to brainstorm on various aspects of production of green hydrogen on Dec 6

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director of the National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan, while addressing presspersons on Wednesday said eminent experts will brainstorm on various aspects of 'production of green hydrogen' during the workshop to be organised on December 6. He said it was also called renewable hydrogen. Green hydrogen is obtained by electrolysis of water and the most crucial thing is that this process is powered entirely by renewable energy so it generates no polluting emissions into the atmosphere and is the cleanest and most sustainable hydrogen. He said the workshop is aimed at discussing opportunities and challenges in production of green hydrogen in sugar and alcohol units. He said sugar industry producing clean, green and renewable energy i.e. electricity and compressed bio-methane is being considered as potential source for producing this "Fuel for the Future- Green Hydrogen". He said apart from having presentations from various technology providers, eminent experts from Ministry of New



NSI Director Prof Narendra Mohan addressing presspersons on Wednesday.

and Renewable Energy, (MNRE) and oil companies will also deliver lectures on the issue. Prof Mohan said on this occasion NSI is also going to showcase a pilot plant to demonstrate production of green hydrogen from compressed bio-methane. He said this will give a better idea about technology and economics of the system to the participants from the sugar industry.

EXAMS: Kanpur coordinator of the Central Board of Secondary Education,

Balwinder Singh in an official statement issued to member schools said the final examinations of 2023-24 will take off from February 15, 2024 and a total of 11,000 students will be appearing for the examination this year. He said to facilitate the students in preparing for the forthcoming examination the Board had released model question papers. He said there have been many changes in the pattern this year and gave example of English Core stating that this year there will be more objective questions. He said students need to prepare chapters thoroughly. He said although the schools hold prelims yet the students can attempt model questions papers to assess themselves. He advised students to ensure that in English Core the format was highly essential. The students need to take care of the format of all questions in the writing section. He said the model papers had been released on the official site of the CBSE and all model question papers were available online as well. He said this year tentative dates of the practical examination will be in January and thus students need to complete their practical files.

बायोफ्यूल आर स्पेशलिटी शुगर पर रिसर्च करेंगे एनएसआई के वैज्ञानिक



प्रो. नरेन्द्र मोहन

कानपुर। नवम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में 20 करोड़ रुपये की लागत से बायोफ्यूल और स्पेशलिटी शुगर पर रिसर्च होगी। बायोफ्यूल के लिए मुख्य रूप से कृषि अपशिष्ट या बचे हुए अनाज से संस्थान के वैज्ञानिक ग्रीन हाइड्रोजन विकसित करने में जुटेंगे। वहीं, उपभोक्ता व इंडस्ट्री की मांग के अनुसार स्पेशलिटी शुगर तैयार करने की रिसर्च होगी। इसके लिए संस्थान में दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि सेंटर फार एक्सीलेंस में छात्र-छात्राओं के अलावा युवा वैज्ञानिक और इंडस्ट्री के विशेषज्ञ भी रिसर्च करेंगे। इसमें चुकंदर, मोठी ज्वार, मक्का के अलावा कसावा से भी इथेनॉल विकसित करने की तैयारी है। साथ ही भविष्य में इथेनॉल उत्पादन के संभावित फसलों पर रिसर्च, चर्चा के साथ ही किसानों को भी शामिल किया जाएगा। इथेनॉल उत्पादन के लिए परीक्षण करने के लिए पहले से ही फार्म और घरेलू नैनो-एथेनॉल इकाइयां हैं। फार्म पर मसीनीकरण एवं किसानों को प्रशिक्षण करने के लिए कृषक सेंटर इत्यादि सुविधाएं लगभग करोड़ों रुपये खर्च कर विकसित की जाएगी। इसके लिए आईसीएआर-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान और आईसीएआर-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता भी हुआ है। संस्थान में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ हुआ। निदेशक ने बताया कि इस रिसर्च से चीनी की गुणवत्ता उन्नत होने के साथ देश आत्मनिर्भर होगा और निर्यात व भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन ही ईंधन का बेहतर विकल्प के रूप में



ग्रीन हाइड्रोजन बनेगा भविष्य का ईंधन

माई सिटी रिपोर्ट

कानपुर। ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। कंप्रेस्ड मीथेन गैस से चीनी और अल्कोहल इकाइयां ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेंगी। इसके लिए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने अपने यहां पायलट संयंत्र तैयार कर लिया है। इसका इकाइयों के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही छह दिसंबर को



एनएसआई
निदेशक प्रोफेसर
नरेन्द्र मोहन।

चीनी और अल्कोहल इकाइयां
कंप्रेस्ड मीथेन से बनाएंगी हाइड्रोजन

एनएसआई में कार्यशाला भी होगी।

एनएसआई निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन ने बताया कि कार्यशाला में चीनी और अल्कोहल इकाइयों में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। बिजली और कंप्रेस्ड बॉयो मीथेन का उत्पादन करने वाले चीनी उद्योग में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर जोर दिया जाएगा। कार्यशाला के संयोजक अनूप कनौजिया ने बताया कि पायलट संयंत्र तैयार का चीनी उद्योग के प्रतिनिधियों के समक्ष इसका प्रदर्शन किया जाएगा।

हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और चुनौतियों पर चर्चा करेंगे विशेषज्ञ



निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 15 नवम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर से आगामी 6 दिसम्बर 2023 को आयोजित कार्यशाला के दौरान प्रख्यात हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर मंथन करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य चीनी और अल्कोहल इकाइयों में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि स्वच्छ, हरित और नवीनकरणीय ऊर्जा यानी बिजली और कम्प्रेस्ड



■ **एनएसआई में आगामी 6 दिसम्बर को आयोजित होगी कार्यशाला**

बायो-मेथन का उत्पादन करने वाले चीनी उद्योग को भविष्य के लिए ईंधन-हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए संभावित स्रोत के रूप में माना जा रहा है। विभिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं की प्रस्तुतियों के अलावा, नवीन एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार और तेज कंपनियों के विशेषज्ञ भी इस कार्यशाला में व्याख्यान देंगे। कार्यशाला के संयोजक अनूप कनौजिया ने बताया कि इस अवसर पर हम कम्प्रेस्ड बायो-मेथन से हरित हाइड्रोजन के उत्पादन को दिखाने के लिए एक पायलट संयंत्र का प्रदर्शन भी करने जा रहे हैं। जिससे बड़ी संख्या में भाग लेने जा रहे हैं। चीनी उद्योग के प्रतिभागियों को हरित हाइड्रोजन की प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र के बारे में बेहतर जानकारी मिलेगी।

Digital News

- [एन एस आई में विशेष प्रकार की चीनी और बायोफ्यूल बनाने के लिए खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, केंद्र से मिली मंजूरी](#)